SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Occupational Therapist

ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट (BOT) हर उम्र के लोगों को चोट, बीमारी या दिव्यांगता के बाद रोज़मर्रा के काम — नहाना, लिखना, चलना, काम पर लौटना — फिर से करने योग्य बनाते हैं। वे केवल बीमारी नहीं, पूरे जीवन को बेहतर बनाने पर ध्यान देते हैं।...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/occupational-therapist

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट (BOT) हर उम्र के लोगों को चोट, बीमारी या दिव्यांगता के बाद रोज़मर्रा के काम — नहाना, लिखना, चलना, काम पर लौटना — फिर से करने योग्य बनाते हैं। वे केवल बीमारी नहीं, पूरे जीवन को बेहतर बनाने पर ध्यान देते हैं। 2026 में पुनर्वास और बाल-चिकित्सा में इनकी माँग बढ़ रही है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	10+2 विज्ञान के बाद BOT (4.5 वर्ष)
कार्य-शैली	अस्पताल/पुनर्वास केंद्र; मरीज़ों के साथ सक्रिय कार्य
माँग	अधिक (पुनर्वास, बाल-चिकित्सा, बुज़ुर्ग देखभाल)
शीर्ष कमाई	₹10–15 लाख/वर्ष या अधिक

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- लोगों की समस्याएँ हल करने में मदद
- सिखाना और प्रशिक्षित करना
- मानव व्यवहार और शरीर का अध्ययन

क्षमताएँ

- धैर्य और सहानुभूति
- रचनात्मक समस्या-समाधान
- हर तरह के लोगों से सहज संवाद

ज़रूरी कौशल

- मरीज़ की क्षमता का आकलन
- सहायक उपकरण व अनुकूलन
- बाल विकास व मानसिक स्वास्थ्य
- रिकॉर्ड और प्रगति की निगरानी
- पुनर्वास और थेरेपी योजना
- शरीर रचना व न्यूरोलॉजी की समझ
- टीम में और परिवार के साथ काम

4 कैसे पहुँचें

1. 10+2 विज्ञान (फिज़िक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी) पूरा करें
2. BOT (बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी) में 4.5 वर्ष की डिग्री करें
3. प्रवेश के लिए NEET या संस्थान की प्रवेश परीक्षा दें
4. अनिवार्य इंटर्नशिप पूरी करें
5. विशेषज्ञता के लिए MOT (मास्टर) करें

प्रमुख परीक्षाएँ

- NEET (कई कॉलेजों में BOT प्रवेश हेतु)
- MOT के लिए स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा
- IPU CET / संस्थान की प्रवेश परीक्षाएँ

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- AIIMS Jodhpur — जोधपुर, राजस्थान
- SMS Medical College — जयपुर, राजस्थान
- AIIMS New Delhi — नई दिल्ली
- Seth G.S. Medical College (KEM Hospital) — मुंबई, महाराष्ट्र

निजी संस्थान

- Bhagwant University — अजमेर, राजस्थान
- Manipal College of Health Professions — मणिपाल, कर्नाटक
- Christian Medical College (CMC) — वेल्लोर, तमिलनाडु

ऑनलाइन

- Coursera (rehabilitation courses) — ऑनलाइन (https://www.coursera.org)
- Udemy (Occupational Therapy) — ऑनलाइन (https://www.udemy.com/topic/occupational-therapy/)

फ़ीस

सरकारी संस्थानों में लगभग ₹15,000–50,000/वर्ष; निजी कॉलेजों में ₹1–6 लाख/वर्ष। ऑनलाइन कोर्स मुफ़्त से ₹30,000 तक।

छात्रवृत्तियाँ

- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in)
- Rajasthan SJE Scholarship Portal (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- Buddy4Study Scholarships (https://www.buddy4study.com)
- Vidya Lakshmi Education Loan Portal (https://www.vidyalakshmi.co.in)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

अस्पताल, नर्सिंग होम, मेडिकल कॉलेज, पुनर्वास केंद्र, स्पेशल स्कूल और NGO

कार्य-संस्कृति

यह डेस्क जॉब नहीं; मरीज़ों के साथ सक्रिय कार्य; सप्ताह में 5–6 दिन, 8 घंटे; स्वयं की प्रैक्टिस संभव

कौन नौकरी देता है

- सरकारी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज
- स्पेशल स्कूल और शुरुआती-हस्तक्षेप केंद्र
- बुज़ुर्ग देखभाल व होम-केयर सेवाएँ
- पुनर्वास व दिव्यांगता केंद्र
- निजी अस्पताल (Apollo, Fortis)
- स्वयं की प्रैक्टिस

माँग (2026)

2026 में माँग अधिक है; सड़क दुर्घटनाओं, स्ट्रोक, ऑटिज़्म और बढ़ती बुज़ुर्ग आबादी के कारण पुनर्वास सेवाओं की ज़रूरत तेज़ी से बढ़ रही है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. प्रशिक्षु / इंटर्न
2. ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट
3. वरिष्ठ ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट
4. विभागाध्यक्ष
5. पुनर्वास निदेशक / अधीक्षक

कमाई

शुरुआत	₹2.5–4 लाख/वर्ष
मध्य स्तर	₹4–8 लाख/वर्ष
वरिष्ठ स्तर	₹8–15 लाख/वर्ष या अधिक

अनुभव, विशेषज्ञता और निजी प्रैक्टिस से कमाई बढ़ती है; विदेश में वेतन और अधिक है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- लोगों को आत्मनिर्भर बनाने का सार्थक कार्य
- अस्पताल से स्कूल तक विविध कार्यक्षेत्र
- बढ़ती माँग और विदेश के अवसर

चुनौतियाँ

- शारीरिक रूप से थकाने वाला काम
- परिणाम धीरे-धीरे मिलते हैं; धैर्य ज़रूरी
- भारत में जागरूकता अभी सीमित

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Dr. Anil K. Srivastava
ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट, AIOTA के अध्यक्ष रहे

डॉ. अनिल श्रीवास्तव अखिल भारतीय ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट संघ (AIOTA) के अध्यक्ष रहे। उन्होंने ऑक्यूपेशनल थेरेपी को राष्ट्रीय स्वास्थ्य व शिक्षा नीतियों में शामिल कराने और थेरेपिस्टों को कानूनी मान्यता दिलाने के लिए अभियान चलाया।

Business Standard (ANI) · https://www.business-standard.com/article/news-ani/inclusion-of-occupational-therapy-in-health-policies-among-other-demands-of-aiota-119110900877_1.html

Kamala V. Nimbkar
भारत में ऑक्यूपेशनल थेरेपी की जनक, AIOTA की पहली अध्यक्ष

कमला वी. निंबकर ने 1950 में मुंबई के के.ई.एम. अस्पताल में भारत — और एशिया — का पहला ऑक्यूपेशनल थेरेपी प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया और 1952 में AIOTA की पहली अध्यक्ष बनीं। उन्हें भारत में इस पेशे की जनक माना जाता है।

Annals of International Occupational Therapy (Healio) · https://journals.healio.com/doi/10.3928/24761222-20190314-01

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- प्राकृतिक चिकित्सक
- स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट
- डांस थेरेपिस्ट

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान सरकार करियर गाइडेंस — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/

2. अखिल भारतीय ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट संघ (AIOTA) — https://www.aiota.org

3. भारतीय पुनर्वास परिषद (RCI) — https://rehabcouncil.nic.in

4. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल — https://scholarships.gov.in

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in